नवाचार व गुणवत्तायुक्त शिक्षा का प्रतीक

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय

झारखण्ड केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना भारतीय संसद द्वारा पारित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009 के अंतर्गत की गई। अपने स्थापना काल से ही विश्वविद्यालय का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा, अत्याधुनिक तकनीक एवं गुणवत्तापूर्ण शोध के माध्यम से राष्ट्र व समाज के प्रति निष्ठावान विद्यार्थियों को तैयार करना रहा है। झारखण्ड की महान आदिवासी संस्कृति में ऐसे तत्व मौजूद हैं जिनकी जानकारी प्राप्त कर भारत वास्तविक अर्थों में विश्वगुरु बन सकता है। अतः केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने यहां की संस्कृति का अध्ययन करने को अपना महत्वपूर्ण अध्ययन बिंदु बनाया है। संस्कृति तथा विज्ञान-तकनीक के अध्ययन में सामंजस्य कर विश्वविद्यालय शैक्षणिक व सामाजिक जगत की लगातार सेवा कर रहे हैं साथ ही शिक्षण और परामर्श के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों में लगातार महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। जिसका परिणाम है कि आज विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों को राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय फैलोशिप, प्रोजेक्ट फंडिंग और विविध सम्मान प्राप्त हैं। कुशल मार्गदर्शन प्राप्त कर यहां के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में लगातार सफलता व प्रशंसा प्राप्त की है। इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य समाज के हर वर्ग को बेहतर शिक्षा देना है ताकि वे अपना भविष्य संवार सकें व देश निर्माण में अहम योगदान दे सकें।

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय का सुन्दर एवं मनोरम परिसर झारखंड राज्य की राजधानी रांची से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर चेरी-मनातु ग्राम में करीब 500 एकड़ में स्थित है। यहां रेलवे स्टेशन तथा हवाई अड्डा से सड़क मार्ग द्वारा बड़ी ही सुगमता से पहुंचा जा सकता है। यात्रा को और सुगम बनाने के उद्देश्य से परिसर तक पहुंचने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बसों का परिचालन रांची जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों से किया जाता है शिक्षण और परामर्श के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों में लगातार महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। झारखण्ड में स्थित होने के कारण यहां का सौम्य तथा सकारात्मक पर्यावरण एक वरदान के रूप में हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के लगातार सहयोग से विश्वविद्यालय के भवन निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। भवन निर्माण में पर्यावरण तथा वास्तुकला का खास ध्यान रखा गया है जिससे, अध्ययन-अध्यापन तथा शोध का अनुकूल वातावरण यहां उपलब्ध हो सके। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के दो परिसर है, स्थायी परिसर चेरी-मनातु तथा अस्थायी परिसर ब्राम्बे गांव में स्थित है।

यहां बेहतर परिवेश एवं पर्यावरण के साथ सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस कक्षाएं, नवीन तकनिकी सामग्रियों के साथ प्रयोगशालाएं तथा पुस्तकालय उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में हॉस्टल तथा भोजनालय की सुविधा उपलब्ध है। हॉस्टल भवन की भव्यता विद्यार्थियों को खासा आकर्षित करती है। परिसर को अतुलनीय बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय का खासा ध्यान अत्याधुनिक तकनीक के साथ अनुसंधान कार्य पर है। यहां पर स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। विश्वविद्यालय अनुसंधान प्रस्तावों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के नए विचारों को निरंतर बढ़ावा दे रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के सभी विभाग अगले सत्र से, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु आवेदन आमंत्रित करेंगे।

> केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के प्रोफेसर्स केवल कक्षा अध्यापन का कार्य ही नहीं करते, बल्कि उत्कृष्ट शोधकर्ता भी हैं। उन्हें गुणवत्तायुक्त पुस्तक लेखन, शोध-पत्र, पेटेंट व अन्य सामाजिक कार्यों के लिए प्रशंसित पत्र और विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। यहां के प्रोफेसर्स विद्वान, कुशल मार्गदर्शक, अच्छे परामर्शदाता तथा उत्कृष्ट शोधकर्ता हैं अतः मैं आश्वस्त हूं कि यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उनके करियर को आकार देने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करेगी। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने का कार्य प्रारंभ किया जा चूका है। परिसर में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमशील मानसिकता के माहौल को बढ़ावा देने के लिए पूर्व विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, केंद्र तथा राज्य सरकार सभी का सहयोग लगातार प्राप्त हो रहा है। सबके साथ, विश्वास और प्रयास से यह विश्वविद्यालय आगे बढेगा।
>
> **-प्रो. क्षिति भूषण दास, कुलपति**
> सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड

विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, यहाँ पढ़ने वालों छात्रों की हर सुविधा का ख्याल रखती है। जरूरतों के हिसाब से सुविधाओं को लगातार बढाया जा रहा है। यहाँ छात्रावास की भी सुविधा है। इसके अलावा यहाँ एक विशाल पुस्तकालय है, जो हर तरह की किताबों, मैग्जीन्स, समाचारपत्र से सुसज्जित हैं जहाँ छात्र सेल्फ स्टडी कर सकते हैं. इसके अलावा यूनिवर्सिटी छात्रों के लिए पिकअप व ड्रॉप के लिए ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा उपलब्ध कराती है। पुस्तकालय में सभी विषयों व समाज से सम्बंधित पुस्तकें उपलब्ध हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन भी पुस्तक तथा पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन कर सकते हैं। इसके साथ स्वास्थ्य सुविधा के अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र भी परिसर में उपलब्ध है।

खेलकूद की बात करें तो यहां सभी उपकरणों से लैस आउटडोर गेम्स जैसे- फुटबॉल, क्रिकेट, वुशु, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलैटिक्स, कबड्डी, खो-खो और इंडोर गेम्स जैसे- टेबल-टेनिस, कैरम, चेस के अलावा भी कई खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। यहां एडवेंचर्स स्पोर्ट्स जैसे ट्रैंकिंग भी करवाई जाती है। वहीं योगा को भी प्राथमिकता मिली है। यहां हर खेल के हिसाब से ग्राउंड की सुविधा उपलब्ध है।

वर्तमान समय में हम सभी ने इंटरनेट की महत्ता को आकादमिक तथा सामाजिक जीवन में स्वीकार है। अब यह हमारी अनिवार्य आवश्यकता है। विश्वविद्यालय 1 जीबीपीएस की बैंडविड्थ के साथ ऑप्टिकल फाइबर लिंक के माध्यम से राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) से जुड़ा हुआ है। परिसर में डाटा सेंटर भी है, जिसमें नेटवर्क और सिस्टम के लिए 7 सर्वर शामिल हैं। नेटवर्क एक हार्डवेयर फायरवॉल के माध्यम से सुरक्षित है। विश्वविद्यालय अपने सभी कर्मचारियों और छात्रों को एवं कैंपस-हॉस्टल विजिटर्स को 24 घंटे नेटवर्क और ऑथेंटाइज्ड इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है, ताकि वे कैंपस के भीतर संसाधनों की जानकारी का आदान-प्रदान करने कर सकें। सीयूजे में छात्रों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला के अलावा अन्य लैब्स की सुविधा उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय प्रतिभावान बच्चों को स्कॉलशिप की सुविधा प्रदान करता है ताकि वे जीवन में आगे बढ़ सकें। इसके अलावा यहां बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को कला के माध्यम से निखारने और प्रोत्साहित करने के लिए यूथ फेस्टिवल जैसे इवेंट्स कराए जाते हैं। यूथ फेस्टिवल में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड कई बार जीत का परचम भी लहरा चुकी है। विभिन्न प्रकार के खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष होता है। साथ ही, एन.सी.सी. और एन.एस.एस. में भाग लेने की सुविधा भी विद्यार्थियों को उपलब्ध है।

> शैक्षणिक संस्थान में अनुसंधान की भूमिका बेहद अहम है। ज्ञान एवं विकास आधारित नवाचार होना अनिवार्य है। छात्रों को बेहतर ज्ञान देना यहां के शिक्षकों की प्राथमिकता है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में हम बच्चों की गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ ही उनके शारीरिक व मानसिक विकास पर भी जोर देते हैं, ताकि वे मजबूती से खुद के बेहतर प्रदर्शन का परिचय दे सकें।
>
> प्रो.एसएल. हरिकुमार, रजिस्ट्रार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड

विजन व मिशन

नवाचार और रचनात्मक प्रयासों से बेहतर समाज का निर्माण करना ही इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। अनुशासनात्मक व गुणवत्तायुक्त शिक्षा के माध्यम से मजबूत चरित्र-निर्माण व मूल्य-आधारित पारदर्शी नैतिकता का पोषण करके आत्म-निर्वाह के लिए छात्रों में रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड का मिशन है। यूनिवर्सिटी शिक्षण, रिसर्च और नवाचार के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के वातावरण को विकसित करके अपने इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उद्देश्य

- गुणवत्तायुक्त शिक्षण और अनुसंधान की सुविधा प्रदान करके ज्ञान का प्रसार करना।
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना।
- सिखने-सिखाने की प्रक्रिया और अनुशासनात्मक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित उपाय करना।
- देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित और प्रशिक्षित करना।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ संबंध स्थापित करना।
- सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार और लोगों के कल्याण, बौद्धिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास पर विशेष ध्यान देना।

बेहतरीन प्लेसमेंट

डिग्री के साथ-साथ छात्रों को अच्छी नौकरी भी मिले, संस्थान में इसके पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। संस्थान में प्लेसमेंट के लिए एडवाइजरी कमेटी का गठन किया गया है। प्लेसमेंट सेल को मजबूत करने के साथ-साथ इंडस्ट्री से इंटरेक्शन भी बढ़ाया जा रहा है।

उपलब्ध संकाय/स्कूल/अध्ययन-पीठ एवं विभाग

- स्कूल ऑफ नैचुरल साइंस
- डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ साइंस, फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथमैटिक्स, कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस
- डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंशियल स्टडीज
- स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी
- डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी इंजीनियरिंग
- डिपार्टमेंट ऑफ वॉटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट
- डिपार्टमेंट ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- स्कूल ऑफ नैचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट
- डिपार्टमेंट ऑफ एनवॉयरमेंटल साइंस
- डिपार्टमेंट ऑफ ज्योग्राफी
- स्कूल ऑफ मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी
- डिपार्टमेंट ऑफ मास कम्यूनिकेशन
- स्कूल ऑफ द स्टडी ऑफ कल्चर
- डिपार्टमेंट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स
- डिपार्टमेंट ऑफ ट्राइबल स्टडीज
- डिपार्टमेंट ऑफ कंटम्परी एडं ट्राइबल कंटम्परी लॉ
- स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज
- डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश स्टडीज
- डिपार्टमेंट ऑफ फार ईस्ट लैंग्वेजेज - चाइनीज,कोरियन,तिब्बतन
- डिपार्टमेंट ऑफ हिंदी
- स्कूल ऑफ एजुकेशन
- डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन
- स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस
- डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशन
- डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
- डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साईंस एंड टेक्नोलॉजी
- डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्ट साईंस एंड टेक्नोलॉजी
- डिपार्टमेंट ऑफ जियोइनफॉरमेटिक्स

पताः सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड
गांव– चेरी–मनातु, पी.ओ.– कामड़े
पी.एस.–कांके, **रांची**–835 222 (झारखंड)